ISBN : 978-81-937067-5-8

आधुनिक प्रबंधन रणनीतियाँ, ई–कॉमर्स एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था

(Modern Management Strategies, E-Commerce & Global Economy)

INSPIRA (IRA)
JAIPUR - INDIA

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

PROF. (DR.) S.S. MODI
DR. RAVI KANT MODI

Scanned with CamScanner

विषय–सूची

अध्याय		पृष्ठ सं.
1	ई–कॉमर्स–आधुनिक प्रवृत्तियाँ *प्रो. राम अवतार करगवाल*	1-9
2	औद्योगिक विकास एवं पर्यावरण *डॉ. नीता अग्रवाल*	10-14
3	शिक्षा का बदलता स्वरूप (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विशेष संदर्भ में) *डॉ. मधु खण्डेलवाल*	15-18
4	महिलाओं के सशक्तीकरण में वितीय समावेशन में जनसंचार माध्यमों की भूमिका एवं उनके प्रभावों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन *कमलेश मीना*	19-34
5	प्रधानमंत्री आवास योजना का ग्रामीण विकास में योगदान एवं इसका प्रभाव *परमानन्द मुण्डा*	35-40
6	पुस्तकालय नेटवर्क व डिजिटल पुस्तकालयों का वर्तमान में महत्व *डॉ. बलवीर शर्मा*	41-44
7	वस्तु एवं सेवा कर की आधारभूत अवधारणाऐं एवं विशेषताऐं भारत के सन्दर्भ में *सीमा गोटवाल*	45-48
8	राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में महिलाओं की शैक्षिक सहभागिता *राकेश कुमार कुमावत*	49-55
9	राजस्थान के मरूस्थलीय क्षेत्र में ग्रामीण विकास का स्तर –विश्लेषणात्मक अध्ययन *श्रवण कुमार एवं डॉ. एल.एल.साल्वी*	56-62

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

Scanned with CamScanner

2

औद्योगिक विकास एवं पर्यावरण

डॉ. नीता अग्रवाल*

परिचय

मनुष्य एक विवेकशील प्राणी है। अपनी बुद्धि से वह समस्त इच्छाओं को पूरा कर सकता है। मानव की इसी सोच ने नवीन अनुसन्धान एवं आविष्कार को बढ़ावा दिया। वैज्ञानिक प्रगति के कारण औद्योगीकरण की प्रक्रिया तेज हो गई है इससे वातावरण (पर्यावरण) एवं औद्योगीकरण में सामंजस्य बनाने में कठिनाईयाँ आ रही है। औद्योगीकरण जहाँ एक ओर किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सूचक हो रही है वही दूसरी ओर औद्योगीकरण से वातावरण में प्रदूषण की मात्रा बढ़ती जा रही है जिससे पर्यावरण संतुलन का खतरा बढ़ता जा रहा है।

निःसन्देह औद्योगिक विकास से जहाँ लाखों करोड़ों लोगों को रोजगार मिला है हमारी बेरोजगारी तथा गरीबी की समस्या में भी थोडा सा निदान हुआ है। राष्ट्रीय आय में वृद्धि, कच्चे माल की आपूर्ति में वृद्धि, देश में आविष्कार, अनुसन्धान, बाजारीकरण विशिष्टीकरण बैंकिंग सुविधाओं, निजी बैंकों को प्रगति करने का मौका मिला है यह सब औद्योगिक विकास की देन ही है। पर कहा जाता है "अति सर्वत्र वर्जते"। अति हर चीज की बुरी होती है इसका परिणाम धीरे-धीरे सभी को भुगतना ही पड़ता है।

औद्योगिक विकास से सबसे अधिक महानगर प्रभावित हो रहे हैं क्योंकि महानगरों में ज्यादा आबादी वाले शहर देखने को मिलते हैं तथा शहरों में यातायात के साधनों का आधिक्य तथा जनसंख्या का घनत्व आधिक्य दोनों आग में घी का काम करते है। वाहनों मोटर गाड़ियों बसों से निकलने वाले धुएं विषैली गैसे जन सामान्य को श्वास लेने में कठिनाई के साथ ही अनेक प्रकार की बीमारियों का जन्म हो रहा है तथा वातावरण में भी ऑक्सीजन की मात्रा भी कम होती जा रही है।

---

* व्याख्यता ई.ए.एफ.एम, कानोडिया महिला महाविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

~ The chapter is based on the paper presented in **"International Conference on Modern Management Strategies, E-commerce and Global Economy-In Indian Context"** Organized by **Inspira Research Association (IRA)**, Jaipur & **LBS PG College, Jaipur**, Rajasthan, India. **02-03 February, 2018.**

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

Scanned with CamScanner

INSPIRA

Reg. No. SH-481 R-9-V P-76/2014

Printed in India by Prof. (Dr.) S. S. Modi at Aakrati Advertisers, Jaipur, Rajasthan and published by him on behalf of the Inspira Research Association, Jaipur, Rajasthan
Website : inspirajournals.com

₹590.00

ISBN : 978-81-937067-5-6